तीसरी बार लोकसभा सांसद चुने जाने और फिर से मोदी सरकार में केन्द्रीय मंत्री बनाये जाने के बाद रविवार को पहली बार जोधपुर आगमन पर गजेन्द्र सिंह शेखावत का कार्यकर्ताओं एवं लोगों ने जोरदार स्वागत किया। उनके स्वागत में जोधपुर के मुख्य बाजारों एवं सड़कों पर जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किये। शेखावत सुबह नौ बजे ही ट्रेन से जोधपर रेलवे स्टेशन पहँच गये थे, लेकिन उनके स्वागत कार्यक्रमों का सिलसिला इतना लम्बा चला कि, उन्हें घर पहुँचने में तीन बज गये। शेखावत का अभिनदंन करने आये कार्यकर्ताओं में भारी जोश और उत्साह दिखाई दिया तथा पूरे जोधपुर में उनके स्वागत में लोगों का भी भारी हुजूम उमड़ पड़ा।

जोधपुर पहुंचे शेखावत का बहुत जोरशोर से अभूतपूर्व स्वागत हुआ

पूरे रास्ते भर स्वागत हुआ, कार्यकर्ताओं एवं लोगों का जबरदस्त हुजूम उमड़ पड़ा इस कारण रेलवे स्टेशन से निवास स्थान तक पहुंचने में शेखावत को 6 घंटे लगे

- **पुरी तिराहा, सोजती गेट नई सड़क चौराहा सहित कई स्थानों पर तोरण द्वार सजाए गए।**
- **जोधपुर के बाल निकेतन स्कूल परिसर में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के स्वागत एवं अभिनदंन के लिए बड़े मंच पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

जोधपुर, 30 जून (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नवगठित कैबिनेट में शामिल होने के बाद जोधपुर के नव निर्वाचित सांसद केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत रविवार सुबह दिल्ली से रेलमार्ग से जोधपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने बेहद उत्साह के साथ जोरदार स्वागत किया।

जोधपुर लोकसभा सीट से जीत की हैट्रिक के बाद प्रथम बार जोधपुर आगमन पर ऑगजेंद्र सिंह शेखावत के स्वागत अभिनदंन में लोगों ने पलक पांवड़े बिछा दिए। रेलवे स्टेशन से स्टेशन रोड, पुरी तिराहा, सोजती गेट, नई सड़क चौराहा, मोहनपुरा पुलिया, रातानाडा ओल्ड कैम्पस रोड, पुलिस लाइन मार्ग और निवास स्थान अजीत कॉलोनी तक पूरे मार्ग में शेखावत के स्वागत में लोगों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन का हुजूम उमड़ा। जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र लूणी, पोकरण, जैसलमेर, शेरगढ़ , लोहावट, फलोदी, पाली, जयपुर सहित राजस्थान के अनेक जिलों से लोग केन्द्रीय मंत्री का स्वागत सत्कार करने जोधपुर पहुंचे।

निवास के समीप विशाल डॉम में हुई अभिनदंन सभा में भी शेखावत का जोरदार स्वागत किया गया। सुबह 9 बजे से आरंभ हुआ स्वागत का क्रम दोपहर तीन बजे बाद तक चलता रहा। जोधपुर संभाग के विधायक, राजस्थान सरकार के मंत्री, पार्षद और जनप्रतिनिधि शेखावत को बधाई देने पहुंचे। शेखावत के निवास पर उत्सव का माहौल रहा।

उनके स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह नजर आया और सुबह आठ बजे से ही लोगों का रेलवे स्टेशन पहुंचने का क्रम आरंभ हो गया। ट्रेन से बाहर आते ही गज्जू बन्ना जिंदाबाद, भाजपा जिंदाबाद के नारे लगने लगे। समर्थकों ने उनको कंधों पर उठा लिया। स्टेशन पर स्वागत में ऐसा हुजूम उमड़ा की उनको रेलवे स्टेशन से बाहर आने में ही एक घंटे से अधिक समय लग गया।

शेखावत की आगवानी भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा, देहात उत्तर के अध्यक्ष मनोहर पालीवाल, देहात दक्षिण के अध्यक्ष जगराम विश्नोई, महापौर वनिता सेठ, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी सहित कईविधायकों एवं राजनेताओं ने की।

रेलवे स्टेशन से बाहर आने के बाद शेखावत खुले वाहन में सवार हुए। स्टेशन से लेकर पूरे मार्ग में और निवास स्थान तक स्वागत में तोरण द्वार और चौराहे सजाए गए। पोस्टर बैनर भाजपा के झंडों से पूरे मार्ग को पाट दिया गया। उनका पग-पग पर भव्य स्वागत सत्कार किया गया। मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। खुले वाहन में सवार शेखावत का मार्ग में दुकानदारों व्यापारियों और गणमान्य लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत कर बधाई दी।

केन्द्रीय मंत्री का काफिला जोधपुर रेलवे स्टेशन, मुख्य डाकघर, पुरी तिराहा, सोजतीगेट, नई सड़क चौराहा, मोहनपुरा पुलिया, पुराना परिसर से पुलिस लाइन रोड होते हुए बाल निकेतन स्कूल परिसर में बनाए गए विशाल डॉम में आयोजित स्वगत सभा में पहुंचा।

सामाजिक-व्यापारिक संगठनों ने किया स्वागत

लघु उद्योग भारती, जोधपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, जोधपुर स्टेनलैस स्टील एसोसिएशन, जोधपुर हैण्डीक्राफ्ट एसोसिएशन, जोधपुर हैण्डीक्राफट फैडरेशन, ग्वारगम एसोसिएशन, होटल एण्ड रेस्टोरेन्ट एसोसिएशन, राजस्थान एडवोकेट एसोसिएशन, मारवाड़ राजपूत सभा, टूरिस्ट गाईड एसोसिएशन, टूर्स एण्ड ट्रेवल्स एसोसिएशन, कपड़ा व्यापार संघ, सब्जी मण्डी व्यापार संघ, जीरा मण्डी व्यापार संघ, मण्डोर मण्डी व्यापार संघ सहित अनेक सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने केन्द्रीय मंत्री का स्वागत किया।

राजपूत समाज के सभी संगठन आए स्वागत करने

मारवाड़ राजपूत सभा, बीजेएस एज्यूकेशनल सोसायटी, चौपासनी शिक्षा समिति, श्री हनवंत एज्यूकेशनल सोसायटी श्री हनवंत राजपूत हॉस्टल सहित राजपूत समाज के अनेक संगठनों की ओर से केन्द्रीय मंत्री का भव्य स्वागत किया गया।

मंच पर स्वागत, सत्कार और अभिनंदन

बाल निकेतन स्कूल परिसर में शेखावत का स्वागत एवं अभिनदंन कार्यक्रम बड़े मंच पर आयोजित किया गया। भव्य पण्डाल में सभी ने विशाल एईडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी का मन की बात कार्यक्रम सामूहिक रूप से सुना। मोदीजी के मार्गदर्शन और पाथेय के बाद स्वागत कार्यक्रम आरंभ हुआ। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरु हुई

योजना की पहली किस्त के तौर पर 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 653 करोड़ रुपये ट्रांसफर किये गये

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की तर्ज पर राजस्थान के किसानों के लिए प्रदेश सरकार ने शुरु की नई पहल।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक कृषि उपज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में योजना शुरु करने की घोषणा की।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, प्रधानमंत्री ने दिया देश के किसानों को सम्मान एवं संबल प्रदेश के अन्नदाता को बनाएंगे समृद्ध**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, 20 हजार किसानों को फार्म पौंड की सौगात दी गई है तथा करीब 80 हजार किसानों को 350 करोड़ रुपये का अल्पकालीन फसली ऋण बांटे गये हैं।**

टोंक/जयपुर, 30 जून। प्रदेश के किसानों के लिए रविवार को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को किसान सम्मान निधि योजना के शुभारंभ के अवसर पर करीब 65 लाख किसानों के बैंक खातों में डायरैक्ट बैनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से एक क्लिक से 650 करोड़ रुपये की राशि किसानों के खातों में ट्रांसफर की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक कृषि उपज मंडी में आयोजित एक कार्यक्रम में खुद इस योजना की शुरुआत की। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, देश के लिए अन्न उपजाने वाले किसानो को सशक्त बनाना हमारी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि, इस योजना के तहत प्रदेश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 6 हजार रुपये की राशि के साथ ही, 2 हजार रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। इसी क्रम में आज राज्य सरकार की ओर से एक हजार रुपये की पहली किस्त के तौर पर 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 653 करोड़ रुपये सीधे जमा किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, मैं भी किसान का बेटा हूं। उनकी परेशानियों से मैं भली-भांति अवगत हूं। इसलिए हमारी सरकार किसान हितों की रक्षा में सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि राज्य में गेहूं के 2275 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के ऊपर 125 रुपये का बोनस प्रदान कर 2400 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीद की गई है। प्रदेश में 10 हजार सौर ऊर्जा संयंत्रों, 41 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रिप और मिनी स्प्रिंकलर तथा 44 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में स्प्रिंकलर संयंत्रों की स्थापना की गई है। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य के 47 हजार किसानों को कृषि कनेक्शन जारी किए गए हैं। किसानों को बिजली के बिलों में 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने तथा प्रदेश को बिजली सरप्लस राज्य बनाने के लिए 2.24 लाख करोड़ के एमओयू किए गए हैं। प्रदेश के 80 हजार से अधिक किसानों को 350 करोड़ रूपये का अल्पकालीन फसली ऋण मिला है तथा 21 कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान कल्याण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ प्रदेश के किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 1 हजार 400 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम का वितरण किया गया तथा 9 हजार पीएम किसान समृद्धि केंद्र स्थापित किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रदेश के 21 जिलों में पानी की समस्या दूर करने के लिए ईआरसीपी को संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना में शामिल कर भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश के साथ एमओयू हुआ है। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.0 के तहत आगामी 4 वर्षों में 5 लाख जल संग्रहण ढ ांचे बनाए जाएंगे तथा 20 हजार फार्म पौण्ड स्थापित कर वर्षा का जल संग्र0हित किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि चीनी और गुड़ पर मंडी शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। केंद्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ब्याजमुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 100 नई पैक्स का गठन किया गया है। पशुपालकों के लिए त्वरित पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु मोबाइल वेटेनरी सेवा प्रारंभ की गई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज सहकार व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत पात्र महिलाओं को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि के चैक सौंपे। इस दौरान उन्होंने कृषि उपज मंडी प्रांगण में पीपल लगाकर वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

शर्मा ने कहा कि किसान भाइयों को सम्मान और संबल देने की प्रेरणा हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली है। उन्होंने प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ लेते ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। इस योजना के माध्यम से हर वर्ष किसानों के खातों में 6 हजार रुपये जमा करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के लाभार्थी किसानों से संवाद किया। डूंगरपुर के किसान शंकर लाल ने कहा कि पहले पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 6 हजार रुपये मिलते थे। अब मुख्यमंत्री किसान सम्मन निधि के रूप में 8 हजार रुपये मिलेंगे।

बारां निवासी किसान नन्द लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त मिलने से उन्हें आर्थिक मदद मिली है। भरतपुर के किसान राकेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि में बढोतरी से उन्हें बहुत खुशी हो रही है।

नीट यू.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा को रिशेड्यूल करने की तैयारी में है। इसे लेकर नई तारीखों की घोषणा सोमवार या मंगलवार को हो सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एन.बी.ई. अगले दो दिन के भीतर नीट-पी.जी. के लिए नई तारीख का ऐलान करेगा। दरअसल, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद काफी बढ़ा हुआ है। एहतियाती कदम उठाते हुए पिछले सप्ताह रद्द की गई परीक्षाओं में नीट-पी.जी. की परीक्षा भी शामिल है।

इस बीच, नैशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यू.जी. पेपर लीक विवाद के चलते स्थगित परीक्षाओं की नई तारीखें जारी कर दी हैं। ज्वॉइंट सी.एस.आई.आर. नेट की परीक्षा अब 25 से 27 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

यू.जी.सी. नेट की परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोजित की जाएगी। एनटीए अब तक सीबीटी मोड में असिस्टेंट प्रोफेसरशिप, जूनियर रिसर्च फेलोशिप और पीएचडी प्रवेश के लिए यूजीसी नेट आयोजित कर रहा था।

अब राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट को पूर्व की भांति ऑनलाइन कराने का निर्णय लिया है। परीक्षा तिथि घोषित होने और परीक्षा ऑनलाइन कराए जाने की घोषणा का अभ्यर्थियों ने स्वागत किया है। यूजीसी नेट की तैयारी करने और 18 जून को परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा रद्द होने का बड़ा झटका लगा था। एक तो परीक्षा केन्द्र काफी दूर तक बना दिए गए थे और परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों को अव्यवस्थाएं भी देखने को मिली थीं। कई अभ्यर्थियों की परीक्षा छूट गई थी। अभ्यर्थियों ने परीक्षा केन्द्र पर हंगामा भी किया था। एनटीए ने शुक्रवार देर रात परीक्षा की तिथियां घोषित कीं। यूजीसी नेट की परीक्षा 21 अगस्त से चार सितम्बर के मध्य करायी जाएंगी।

वहीं सी.एस.आई.आर. नेट की परीक्षा 25 जुलाई से 27 जुलाई तक, एन.सी.ई.टी. 2024 परीक्षा 10 जुलाई को ऑनलाइन माध्यम से कराने की घोषणा की गई है। यूजीसी नेट की 18 जून को परीक्षा 83 विषयों में हुई थी। दो पाली में देश के 317 शहरों में हुई परीक्षा हुई थी। जिसमें 11.21 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और 81 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। गौरतलब है कि, सी.एस.आई.आर. नेट की परीक्षा 25 से 27 जून तक होनी थी। जो कि 21 जून को स्थगित कर दी गई थी।

'हमे 100 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिक्र नहीं किया। हालांकि,ऐसी जानकारी है कि शाह ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बैठक में कहा कि पार्टी तीन लोकसभा सीटों- अंबाला, सोनीपत और हिसार में बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, जहां पार्टी कांग्रेस से हार गई। जैसा कि विदित है कि, बीते दस सालों में पहली बार एन.डी.ए. नीत भाजपा सरकार के खिलाफ इतना मजबूत नज़र आ रहा है। इस बार संसद में बड़ी संख्या में अपनी मौजूदगी का एहसास कराने के लिए विपक्ष केन्द्र सरकार पर लगातार तीखे हमले कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कई मौकों पर यह दावा कर चुके हैं कि, लोकसभा चुनाव परिणामों ने यह दर्शा दिया है कि, प्रधानमंत्री मोदी में देश की जनता का विश्वास बहुत ही कम हो गया है।

विपक्ष ने संसद से कोविड प्रोटोकॉल हटाने की मांग की

- **कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि, कोविड प्रोटोकॉल की वजह से प्रतिष्ठित पत्रकारों को संसद की पहुँच से दूर कर दिया गया है।**
- **कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पोस्ट में कहा, "संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर कोविड पाबंदियां हटाने के लिए माननीय लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है।**

नई दिल्ली, 30 जून। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने रविवार को कहा कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर उनसे संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर कोविड पाबंदियां हटाने का अनुरोध किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बिड़ला को 27 जून को लिखे अपने पत्र की एक प्रति साझा की।

टैगोर ने पोस्ट में कहा, "संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर कोविड पाबंदियां हटाने के लिए माननीय लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा। प्रतिष्ठित पत्रकारों को पाबंदियों के नाम पर रोका जा रहा है। मीडिया की पहुंच बहाल करने और उन्हें उनका उचित स्थान देने का वक्त आ गया है।" बिरला को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा कि एक दशक से अधिक समय से संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग कर रहे कई पत्रकार कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल के नाम पर पाबंदियों का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने पत्र में कहा, "उन्हें संसद तक पहुंचने से रोकने से न केवल उनके पेशेवर कर्तव्यों में बाधा आती है, बल्कि जनता तक सटीक जानकारी पहुंचाने में भी समस्या होती है। हमारे देश के लोकतांत्रिक लोकाचार को संरक्षित करने के लिए यह जरूरी है कि सभी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को बिना किसी बाधा के कार्यवाही को कवर करने की अनुमति दी जाये।" टैगोर ने कहा, "मैं आपसे मौजूदा पाबंदियों पर पुनर्विचार करने और सभी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को संसद की कार्यवाही कवर करने देने का अनुरोध करता हूं।

आम चुनाव से पहले विभिन्न मंदिरों में पूजा-पाठ में जुटे प्र.मंत्री ऋषि सुनक

लंदन, 30 जून। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने देश में 4 जुलाई को होने वाले चुनाव से 4 दिन पहले लंदन के नेसदेन मंदिर पहुंचकर पूजा की। शनिवार को जैसे ही सुनक का काफिला मंदिर परिसर में पहुंचा, भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने मंदिर का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। सुनक ने नेसदेन मंदिर में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की जीत के साथ की। सुनक ने कहा कि, आज आप क्रिकेट मैच के नतीजों से तो खुश होंगे। इस पर भीड़ ने तालियां बजाईं।

सुनक ने कहा, "मैं भी आपकी तरह एक हिंदू हूं। अपने विश्वास और आस्था से ही मुझे ताकत मिलती है।

चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर 15 हजार कि.मी. का रोड नैटवर्क तैयार करेगी केन्द्र सरकार

- **रणनीतिक रूप से अति महत्वपूर्ण इस नैटवर्क में सरकार 3600 किमी सड़क का निर्माण करा चुकी है, जबकि 6700 किमी सड़क निर्माणाधीन है।**

नई दिल्ली, 30 जून। केंद्र की मोदी सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए 15,520 किलोमीटर बॉर्डर रोड नेटवर्क खड़ा कर रही है। रणनीतिक रूप से अति महत्वपूर्ण इस नैटवर्क में सरकार 3600 किमी सड़क का निर्माण करा चुकी है, जबकि 6700 किमी सड़क निर्माणाधीन है।

मोदी सरकार-3.0 के विजन-2047 के मास्टर प्लान फेज-1 व फेज-2 में 5220 किमी बॉर्डर रोड नेटवर्क (रणनीतिक व अंतरराष्ट्रीय) खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है। मास्टर प्लान के दस्तावेज के अनुसार फेज-1 में कुल 2379 किमी के दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग सिर्फ अरुणाचल प्रदेश में बनेंगे। जम्मू-कश्मीर में 166 किमी राजमार्ग का निर्माण होगा। वहीं, फेज-2 में सिक्किम (21 किमी), पश्चिम बंगाल (75 किमी), असम (144 किमी), बिहार (48 किमी), झारखंड (141 किमी) के साथ गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में राजमार्ग निर्माण किए जाएंगे। फेज-एक व दो को 2047 से पहले समाप्त किया जाएगा।

बॉर्डर रोड नेटवर्क खड़ा करने पर सरकार 75,000 से एक लाख करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। इसकी असल लागत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात भी सामने आएगी।

चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित अन्य देशों के साथ भारत 15,106 किमी की अंतराष्ट्रीय भूमि सीमा साझा करता है।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत की सीमा के आसपास 18000 किमी लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है। इसमें से 13,300 किमी राजमार्ग समानांतर हैं, जबकि 4700 किमी लंबवत। मास्टर प्लान में सीमा के लिए नए दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने के लिए इन मार्गों का चौड़ीकरण किया जाएगा। इसके अलावा सीमा के आसपास के मौजूदा राजमार्गों को जोड़ने वाले संपर्क राजमार्ग भी बनेंगे।

जनरल उपेन्द्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवा विस्तार दिया गया था।

चालीस वर्षो से सेना में कार्यरत जनरल द्विवेदी एक कुशल सैन्य नेता हैं। वह सैनिक स्कूल, रीवा (मध्य प्रदेश) के पूर्व छात्र रहे हैं और उन्हें 1984 में जम्मू-कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट में कमीशन दिया गया था। उन्हें उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी थिएटर कमानों में कार्य करने का अनूठा गौरव प्राप्त है।

जनरल द्विवेदी ने ऐसे समय में सेना की कमानी संभाली है जब वैश्विक भू-रणनीतिक माहौल निरंतर बदल रहा है , तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते चरित्र के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां अधिक स्पष्ट हो रही हैं। जनरल द्विवेदी को प्रभावी ढंग से योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने का भरपूर अनुभव है।

नये सेना प्रमुख को सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ है, और संचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को सैन्य प्रणालियों में उपयोग करने और एकीकृत करने का उनका विचारशील दृष्टिकोण है। यह दृष्टिकोण आत्मनिर्भरता के माध्यम से आधुनिकीकरण और क्षमता विकास की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में बढ़ रही भारतीय सेना के अनुरूप है।

भारतीय सेना के चेटवुड आदर्श वाक्य में दृढ विश्वास रखने वाले जनरल द्विवेदी विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने, जूनियर अधिकारियों के सशक्तीकरण, सैनिकों की भलाई और वीर नारियों के कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

इससे पहले जनरल पांडे ने सेवा निवृत होने से पहले राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सेवा निवृत होने से पहले उन्हें सेना की टुकडी की ओर से सलामी गारद पेश की गयी।

मेघालय: दूषित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिविल अस्पताल की चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी पिंसुक मारबानियांग ने बताया कि नामडोंग गांव में एक अंतिम संस्कार समारोह में भोजन के बाद 28 जून की शाम से मरीजों का अस्पताल में आना शुरू हो गया था। उन्होंने कहा कि शुरू में 10 लोग दस्त और उल्टी की शिकायत लेकर अस्पताल आए थे।

उन्हें तुरंत चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई। सुश्री मारबानियांग ने कहा कि अगली सुबह लोगों की संख्या में वृद्धि हुई और 40 या उससे अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हुए जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल थे जिनमें दस्त और उल्टी के समान लक्षण थे।

बंगाल में महिला को तालिबानी सजा, सरेआम लाठियों से पीटा

इस घटना का वीडियो वायरल हुआ, मारपीट करने वाला शख्स तृणमूल कांग्रेस नेता का करीबी बताया जा रहा है

- **विपक्षी दलों सीपीएम और बीजेपी की ओर से बताया गया कि यह वीडियो बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले का है।**
- **विपक्षी नेताओं के मुताबिक, हमलावर स्थानीय निवासी है जिसका नाम तजम्मुल है और उसके तृणमूल कांग्रेस से संबंध हैं। वह लोकल मसलों पर त्वरित न्याय के लिए जाना जाता है।**

कोलकाता, 30 जून। पश्चिम बंगाल में सड़क पर एक व्यक्ति की ओर से महिला सहित 2 लोगों की पिटाई का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

विपक्ष ने इसे लेकर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला है। विपक्षी दलों सीपीएम और बीजेपी की ओर से बताया गया कि यह वीडियो बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले का है। यह घटना पिछले हफ्ते की बताई जा रही है। विपक्षी नेताओं के मुताबिक, हमलावर स्थानीय निवासी है जिसका नाम तजम्मुल है और उसके तृणमूल कांग्रेस से संबंध हैं। वह लोकल मसलों पर त्वरित न्याय के लिए जाना जाता है।

वीडियो में महिला को एक आदमी बार-बार लाठियों से मारता दिख रहा है। वह दर्द से कराह रही है। मौके पर कुछ और लोग मौजूद हैं जो चुपचाप खड़े होकर तमाशा देख रहे हैं। वायरल वीडियो में हमलावर व्यक्ति एक पुरुष को भी लाठियों से पीटता नजर आता है। इस दौरान एक अन्य महिला उसे रोकने की कोशिश करती नजर आती है। हालांकि, वह हमले जारी रखता है। भीड़ के अधिकांश सदस्य उसे रोकने का प्रयास नहीं करते, बल्कि उसकी मदद करते नजर आते हैं। इस बीच, वह महिला के बाल पकड़ता है और उसे लात मारने लगता है। घटना को लेकर पुलिस का कहना है कि उसने पिटाई करने वाले व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है और उसकी तलाश जारी है।

बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख और बंगाल के लिए पार्टी के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने एक्स पर यह वीडियो पोस्ट किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, वीडियो में महिला को जो आदमी बेरहमी से पीट रहा है, उसका नाम तजम्मुल है। वह अपनी इंसाफ सभा के जरिए त्वरित न्याय के लिए फेमस है। वह स्थानीय विधायक हमीदुर रहमान का करीबी सहयोगी है। उन्होंने कहा कि देश को टीएमसी की ओर से संचालित पश्चिम बंगाल में शरिया अदालतों के बारे में जानना चाहिए। हर गांव में एक संदेशखाली है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए अभिशाप बन गई हैं। बंगाल में कानून-व्यवस्था का कोई नामोनिशान नहीं बचा है। क्या ममता बनर्जी इस राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करेंगी या उसका बचाव करेंगी? जैसा कि वह संदेशखाली मामले में शेख शाहजहां के लिए खड़ी हुई थीं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय** :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय** :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908